निवेश का महाकुंभ
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2023
UP
अमर उजाला
लखनऊ
amarujala.com शनिवार, 11 फरवरी 2023

28 हजार करोड़ ऊर्जा और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश करेंगी सिंगापुर की कंपनियां

प्रदेश के शहरों में ऊर्जा संयंत्र और इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने के लिए सिंगापुर की कंपनियां 28 हजार करोड़ निवेश करेंगी। ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि सिंगापुर के साथ वेस्ट मैनेजमेंट, वाटर ट्रीटमेंट, यातायात प्रबंधन और एयर ट्रैफिक का प्रबंधन भी सीखने योग्य है। अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, आईटी-इलेक्ट्रॉनिक्स, लॉजिस्टिक, स्टार्टअप, एथेनॉल-शुगर इंडस्ट्री समेत कई क्षेत्रों के एमओयू हुए हैं।

कई देशों से ज्यादा है यूपी की सामर्थ्य

पीएम मोदी बोले- यूपी में सरकारी सोच और एप्रोच में हुआ बड़ा बदलाव, समर्पण के चलते देश में हो रहे सुधार

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के उद्घाटन सत्र में यूपी में आए बदलावों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यूपी में सरकारी सोच और एप्रोच (पहुंच) में कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ द डूइंग बिजनेस) के लिहाज से बड़ा बदलाव आया है। यूपी एक उम्मीद बन चुका है। भारत अगर आज दुनिया के लिए संभावनाओं से भरा स्थान है, तो यूपी भारत की ग्रोथ को ड्राइव करने वाला अगुवा राज्य है। आगे बढ़ने की समाज की आकांक्षा प्रगति का मूल स्रोत है।

उन्होंने निवेशकों से कहा कि आज आप जिस राज्य में बैठे हैं, उसकी आबादी करीब 25 करोड़ है। इस लिहाज से कई बड़े देशों से भी ज्यादा सामर्थ्य अकेले यूपी में है। पूरे भारत की तरह ही आज यूपी में आगे बढ़ने की इच्छा रखने वाला समाज बेताबी से उनका इंतजार कर रहा है। देश में सामाजिक, भौतिक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पर जो काम हुआ है, उसका बड़ा लाभ यूपी को भी मिला है। एक मार्केट के रूप में भारत अब सीमलेस (अखंड) हो रहा है। सरकारी प्रक्रियाएं भी सरल हो रही हैं। आज देश किसी बाध्यता के चलते नहीं, बल्कि समर्पण के चलते रिफॉर्म करता है। यही कारण है कि भारत दर्जनों पुराने कानूनों को खत्म कर चुका है।

यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का फीता काट कर शुभारंभ करते पीएम नरेंद्र मोदी। -संवाद

पीएम बोले- यूपी से खास स्नेह : पीएम ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा कि आप सभी का ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बहुत-बहुत स्वागत है। आप सोच रहे होंगे कि मैं मुख्य अतिथि होने पर भी ये स्वागत की जिम्मेदारी क्यों उठा रहा हूं। यहां मेरी एक और भूमिका है। आप सबने मुझे भारत के प्रधानमंत्री के साथ यूपी का सांसद भी बनाया है। यूपी के प्रति मेरा खास स्नेह है और यहां के लोगों के प्रति विशेष जिम्मेदारी भी है। मैं उस दायित्व को भी निभाने के लिए आज इस समिट का हिस्सा बना हूं। इसलिए मैं देश-विदेश से यूपी आने वाले आप सभी निवेशकों का स्वागत करता हूं।

भारतीयों के आत्मविश्वास ने संकट से निकाला

पीएम ने कहा कि आप सभी इंडस्ट्री के दिग्गज यहां हैं। आपमें से अधिकतर को एक लंबा अनुभव भी है। दुनिया की वर्तमान स्थिति आपसे छिपी नहीं है। भारत की अर्थव्यवस्था के आज के सामर्थ्य और इसके मूलभूत सिद्धांतों को भी बहुत बारीकी से देख रहे हैं। आखिर महामारी और युद्ध के झटके से बाहर निकलकर भारत उभरती अर्थव्यवस्था कैसे बना? आज दुनिया का हर भरोसेमंद स्वर मानता कि यहां की अर्थव्यवस्था ऐसे ही तेजी से आगे बढ़ती रहेगी। आखिर ऐसा क्या हुआ कि वैश्विक संकट के इस दौर में देश ने न सिर्फ संभलने की सामर्थ्य दिखाई, बल्कि सुधार भी उतनी ही तेजी से किया। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है, भारतीयों का खुद पर बढ़ता भरोसा और आत्मविश्वास। आज हमारे समाज और खासकर युवाओं की आकांक्षाओं में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। हर नागरिक ज्यादा से ज्यादा विकास और देश को विकसित होते देखना चाहता है। समाज की यही आकांक्षा सरकारों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है और विकास के कार्यों में भी गति ला रही है।

एमएसएमई में है उत्तर प्रदेश को बेहतर बनाने की क्षमता : शाह

गृहमंत्री ने कहा- योगी ने तय की ओडीओपी के माध्यम से गृह उद्योग की नीति

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। गृहमंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि एमएसएमई में यूपी को बेहतर बनाने की क्षमता है। देश की कई ऐसी कंपनियां हैं, जिनकी शुरुआत एमएसएमई से हुई है। धीरे-धीरे वह इंडस्ट्री बन गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ओडीओपी के माध्यम से गृह उद्योग की भी नीति तय कर दी है।

जीआईएस में अपने संबोधन में शाह ने कहा कि मुख्य सचिव देखें कि बड़ी इंडस्ट्री के लिए कौन सी एंसिलरी यूनिट लग सकती है। उसे स्थानीय स्तर पर बाजार मिल जाएगा। इससे इंडस्ट्री को दूसरे राज्यों से सामान नहीं मंगाना पड़ेगा। रोजगार ही ईको सिस्टम को ठीक करेगा। मैं यहां की एमएसएमई पॉलिसी पढ़ चुका हूं। मुख्यसचिव इसे और बेहतर करें। यहां सहकारिता में भी काफी काम की जरूरत है। इसके लिए वह जल्द ही आएंगे।

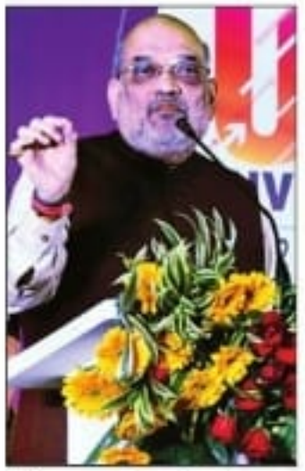

हर तरफ हो रहा विकास : एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि 1.34 लाख करोड़ के प्रस्ताव निवेशकों के आये हैं। 8856 कंपनी अब तक एमओयू कर रही हैं। इनमें से 1100 एमएसएमई हैं। जमीन की कमी वाली जगहों पर फ्लैटेड फैक्टरी भी बना रहे हैं। इस दौरान प्रदेश की सुधरी कानून व्यवस्था और जीरो टॉलरेंस की नीति पर भी एक वीडियो डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई।

योगी ने सावरकर से की शाह की तुलना

मुख्यमंत्री ने कहा कि गृहमंत्री में चार स्वरूप समाहित हैं। राष्ट्रभक्ति वीर सावरकर, चाणक्य, आदि शंकराचार्य अध्यात्म बल और पीएम मोदी का नेतृत्व। उत्तर प्रदेश में 96 लाख एमएसएमई यूनिट 2017 से पहले दम तोड़ रही थीं। भाजपा के लोक कल्याण संकल्प पत्र में गृहमंत्री ने इसको कार्य योजना का जिक्र कराया फिर सरकार बनते ही प्रोत्साहित कर इसका पुनर्जन्म कराया। आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला बनी, निर्यात दो गुना हुआ। कोविड में वापस आये कामगारों को उद्यमियों ने रोजगार से जोड़ दिया।